Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date - Class - 6
Subject - Hindi Language Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग - 6
'लोकोक्ति पर आधारित कहानी'

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ लोकोक्ति पर आधारित कहानी कक्षा छठी की हिन्दी व्याकरण का है। आज इस पाठ में हम लोकोक्ति पर आधारित कहानी लिखना सीखेंगे।

बच्चो! 'लोकोक्ति शब्द 'लोक + उक्ति' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है लोक में प्रचलित 'उक्ति या कथन'। सामान्य अर्थ में लोकोक्ति का 'कहावत' कहा जाता है।

बच्चो! लोकोक्ति का जन्म व्यक्ति द्वारा न होकर लोक द्वारा होता है। अत: लोकोक्ति के रचनाकार का पता नहीं होता।

इस प्रकार :-

- किसी विशेष स्थान पर प्रसिद्ध हो जाने वाले कथन को 'लोकोक्ति' कहते हैं।
- लोकोक्ति ऐसी उक्ति है जिसका कोई रचनाकार नहीं होता।

बच्चो हम पहले लोकोक्तियाँ कर चुके हैं। आज हम इन पर आधारित कहानी लिखना सीखेंगे। बच्चो! प्रत्येक मुहावरे या लोकोक्ति के पीछे कहानी होती है। आज हम ऐसी ही एक कहानी लिखेंगे।

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date -   Class- 6
Subject - Hindi Language   Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

'खोदा पहाड़ निकली चुहिया'

बच्चो! यह एक लोकोक्ति है। इसके आधार पर आज हम एक कहानी लिखेंगे।

रविवार का दिन था। मैं अभी तक सोकर नहीं उठी थी क्योंकि रविवार को छुट्टी होने के कारण मैं पूरे दिन आराम करती हूँ। पर बेचारी माँ, वह तो उस दिन और भी जल्दी उठ जाती है क्योंकि उस दिन उन्हें सबकी पसन्द का खाना पकाना होता है और साथ में उनका साप्ताहिक साफ़-सफ़ाई का कार्यक्रम भी चलता रहता है। मैं नींद और आलस्य में भरकर अपनी माँ के त्याग एवं प्रेम के प्रति मन ही मन नतमस्तक हुई जा रही थी कि तभी अचानक माँ ने मेरे कमरे में आकर मुझे झकझोरा और कहा, "बेटी! जल्दी से उठ जाओ, मुझे बाहर जाना है।" मैंने माँ को तपाक से कहा, "अभी क्यों जाना है आपको, बाद में चले जाना। परन्तु माँ ने बताया कि नहीं उन्हें आज जाना पड़ेगा क्योंकि मेरी दादी जी की तबीयत बहुत खराब हो गई है और घर पर उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, उन्होंने बताया कि उन्हें रात को भी उनके पास रुकना पड़ेगा इसलिए उन्होंने चाचा जी की बेटी को मेरे पास रुकने के लिए कह दिया है। इतनी हिदायतें देकर वह जल्दी से दादी जी के पास चली गई। थोड़ी देर बाद मेरे चाचा जी की बेटी ज्योति भी आ गई। हमने सारा दिन खूब मज़े किए। रोज़ की

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date - Class - VI
Subject - Hindi Language Page - 3
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

की तरह रात को दूध पीकर सो गए। घर में अकेले होने के कारण डर भी लग रहा था। फिर पता नहीं कब हमें नींद आ गई। पर अचानक कुछ खटर-पटर की आवाज़ सुनकर मेरी नींद खुल गई। ध्यान से सुना तो आवाज़ रसोईघर की ओर से आ रही थी। लगा ज़रूर ये कोई चोर होगा ..... हे भगवान! घर में कोई नहीं है ...... अब क्या होगा? मैंने महसूस किया कि मेरा गला सूख रहा है, डर के मारे मैं पसीने-पसीने हो रही थी। मैंने ज्योति को उठाया और धीरे से कहा, "घर में चोर घुस आया है, रसोई की खिड़की से घुसकर, शायद हमने खिड़की खुली छोड़ दी।"

तभी ज़ोर से बर्तन गिरने की आवाज़ आई हम दोनों बहुत डर गए परन्तु फिर ज्योति ने हिम्मत की और टार्च लेकर रसोई की ओर गई, वहाँ हमने देखा एक बिल्ली बड़े मज़े से दूध की पतीली से दूध पी रही है। उसे देखते ही मुझे समझ आ गया कि रात को हमने खाना और दूध रसोई में ही छोड़ दिया और खिड़की खुली रह गई थी। मैंने और ज्योति ने हैरानी से एक दूसरे की ओर देखा और हँस पड़े, हमारी हँसी का अर्थ था - 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया'

गृहकार्य :- बच्चो! आप इस कहानी को ध्यान से समझें और अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर-पुस्तिका में लिखें।

धन्यवाद!

Last page

Scanned with CamScanner